

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

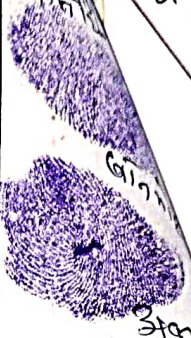
25/08/23

पञ्चवली पेश हुक्म वादीगण वकील एवं वादीगण सम्बन्धित पत्र
 वादीगण वकील ने (वादीनी के उत्तराधिकारी) ^{परिवादी स.} 1 ला 3
 तथा परिवादी स. 4 से 12 की ओर से वाजीनामा
 अर्जित कर निवेदन किया कि वादीनी द्वारा राजस्व
 वाद द्वारा 88, 188, 207, 209 अर्जित द्वारा 40 RFA व
 ठा वाद पान अपने पति इलाक से प्राप्त होने वाली
 श्वातेदारी की धोषणा ठा अर्जित किया था, दौरान विचारण
 द. 24.11.20 को वादीनी की फौल हो गई जिल पर वादीनी
 के स्थान पर वादीनी के उत्तराधिकारी परिवादी स. 1 से 3
 को अर्जित किया ठा अपन पत्र अर्जित किया, जो
 अभी विनाराधीन है वादीनी के अपने हिसले की धोषणा
 व परिवादी स. 1 ला 3 की तथा परिवादी स. 4 व 10 से 12
 की श्वातेदारी की धोषणा ठा अर्जित किया है उक्त वाद
 में वादीनी के उत्तराधिकारी परिवादी स. 1 से 3 तथा
 परिवादी स. 4 से 12 के मध्य सामाजिक स्थान पर
 मौजिब व्यक्तियों द्वारा वाजीनामा अर्जित किया, इस
 सम्बन्ध में वादीनी के उत्तराधिकारी परिवादी स. 1 ला 3
 तथा परिवादी स. 4 ला 8 के मध्य कोई विवाद नहीं
 रहा है उतलिये उक्त वाद इसी स्थिति पर राजीनामा
 फिट्टा किया जावे। ग्राम निचगसर के स्वतः रक. न. 38
 रकबा 119.03 बीघा तथा स्व. न. 99 रकबा 77.14
 बीघा वर्तमान में अस्तित्व. 99 के के त्रेम स्वलेट
 317/99, 318/99, 319/99, 320/99, 321/99, 322/99,
 323/99, 324/99, 325/99, 326/99 में वादीनी तथा
 परिवादी स. 2 व 3 तथा परिवादी स. 4 व परिवादी स.
 10 से 12 अपना हिसला खु ल्याग इस राजीनामा
 से करते है इस सम्बन्ध में वादीनी के उत्तराधिकारी

परिवादी स.
(1 से 3)
WR 2023



सुरानात
दिनांक



हुक्म या कार्यवाही स.
हुक्म स्थान
कार्यवाही

हुक्म

हुक्म

हुक्म

हुक्म

हुक्म

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील
में जारी हुए

व उल्पादी स. 4 व उल्पादी स. 10 से 12 अपना हिल्सा
हउ भाग इस राजीनामा से करले हैं उल सम्बन्ध मे
वादीनी के अन्तर्धिकारी व उल्पादी स. 4 व उल्पादी स. 10 से
12 अषिदय में भी कोई उजर दावा पेदा नही करेगे अ्योंकि
उक्त राजीनामा मे समाज के मौजिज लोगो द्वारा करवा दिमा है
उक्त वादग्रस्त मुक्ति के सम्बन्ध मे अपने हिल्सा के लिए
कोई वाद/दावा नही उल्लुत करेगें। अतलिये उक्त वाद को
जरिये राजीनामा विद्दे फरमाया जावे।

अतः वादीनी वकील द्वारा उल्लुत जर्बना पत्र को न्यासीदर
में स्वीकार किया जाकर उक्त अनवान के वाद को जरिये
राजीनामा विद्दे किया जाता है। पत्राक्की फसल कुमार
दोकर दारिकल दफ्तर हो संख्या से उम हो।